THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.

MBB ~~WS~~—1972—9—4

DHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

MBB-1972-9
1. Film strip number

5
2. Source

RĀGAMĀLĀ
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. 820 + 880 = A.D. 1700
5. Year in which MS was copied (Local & Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPĀLI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

ANCIENT NEWĀRI
8. Script

16 cm. x 6 cm.
9. Size

5
10. Lines to a page

8
11. Number of leaves in complete work

x
12. Missing leaves

x
13. Author and Date of composition (if given)

x
14. Number of Chapters

The Key of Carcā (song) to use in different aspects
15. Remarks

October 15, 1972
Date photographed

[illegible]

रोग मात्रा [illegible]

[illegible] मशी के उकरवा ॥

स्मसूकृष्णौ ॥ २ ॥ बाग्ललीकगावस्रजस्य हृदमस्याधायोयु
२ वक्तिबौसालुमपदनश्रीः ॥ बोनोमपनवाय गृहाप्रसादे विद्याण
नभोनलोकविश्व ॥ ३ ॥ ममामालव ॥ निकोविनोनुम्पिकवकु २
मथां शुकल्लकृ किकूंदल्लवास्त्रमालः संयोकि मामा प्राविगन्नुस्वधाः
समावामभालीमवयायानाउ ॥ ४ ॥ मामायववाति ॥ विनिदयंको प्रि

श्री
१

स्या गाहेनयी॥ ॐ नमः श्रीयमनु हेश्वराय॥ जुथवावा आवा माहु॥ ०
स्वा गाहेहुवा॥ नी कौंशि विवि मणु कवं का यू डाला मरव वासख गाद
थानं: स्व वे: कथा क: स्यूमिं का वृत्तन्व, हेश्रोलन वावा: कथि का मूनी:
न्नु॥ ॥याग मल्ला वा॥ यं स्वा व व या कं दृदि क ह्य थान दृहल व क ह्री
क्रू मूद क्तु वह्लीं का विदि वा सा त्रुवि ह्व वा वा री त्र वा य वा लेग सूह्य॥

५ कायः नामा यमुष्टि किल्ल कायायुन॥ १ ॥ रत्नाग्रवज्रसंकाश॥ शिखः
ह्लिवाह्लाव्र वज्रवज्रजः यू थ्यथमवृक्तवक्ता॥ श्रुत्वा त्रमस्तुदाचामीमः
नक्षमूर्लिः मक्षामनकस्वजवमक्रवागः॥ २ ॥ ज्ञानहृदयवीं॥ यमान्त
वक्तस्य रदकेमृयणुय ह्लानवूहेःश्रीवज्रमध्ययक्षो॥ कोनयुक्ताः
श्रीविवर्द्धनीकालोचोयकोनावदहोवबोयं॥ ३ ॥ रत्नानामाणुत्री

धे ष म न ह्यो नो. मूकें क मा वा म ल्ल वा ल न का सु द धा नों मू ल यू यं गु दे ब
३ वा म ला यं क्रा थि मो वि ला लो ः॥ ॐ । न मा म थ ना ज्ञी । न त्वो द ल स्य मनः
नु म ना ह्म क्रा न्ना लि ख्वा ङ्कि रू ल्ल का वि द न्या । वा ला ग लु ला खु न वा वि ध
या. नि ष्म ष इ लौं क न्नू ब्ध थ ना त्री ॥ ६ । न मा मा ना ठ ष कु लें गा म खों ध्मा नि वः
ध्व मा मः स्म ह्ल ष ह्ला श्मा. नि त व न्नु मू का लिः। सं ब्रा क कू श्री. वि च व नु वु

८ श्रीश्री दंहयवागाऽविलि मल्लराजा ॥ १२ ॥ रनुजलियागः॥ श्री
मामुदैहि मलयनु माना, मूइवे मत्यल्लवन त्रङाका छेहिलिवना
सं, ध्वजाकिविहाया, मङ्क्रामुखायक्विनवनुऊविचयं ॥ १३ ॥ नाथाना
मङ्क्रो ॥ स्वह्नपुहाया ह्लवनपू हू थनाय्कु मोवनोल्ला मंबपुथ्याव हुः
लिकाङ्कं थद्धया, कसमाछ्रि कोयि मानानकाला वकेलोथ्यविस्तुः ॥

॥ब मा मू का का न्त य श्च य मी क्ष॰ माय द यं मी मू ड यु य्य क क्रो॰ ॐ क श्चः
क थ्रा सि क ट्ट स्थि व त्र॰ स्त्र मा ज्ञि क गुन्तु की यि कि ना म्ना ॥ १० ॥ दृ य्य म॰
का मा उ॥ जु न्द्र यँ मा ना का वँ ष्ठ ल्म॰ ब मा न स्क ली ल्व खा उ॰ य कि जा न्ह्रि
१ की र्व॰ का मा उ ना म क्रो न्त्रु न्॥ ११ ॥ ना द सो य ल्मू स्तु ट ना हो॰ स्त्रू
क वा म हु मा॰ सि द धा विँ ग्रं ब ध वि ग व वा हीं॰ या न्तु प व स्त्र यु की वि र्

७

मिलि स्त्रक्रमासाकर्व ख्या त्रमानस्थवविह्नयागुयेंकियांश्चवि

लिव त्रुभाथनामाकुल्हिकाः॥ १७ ॥ रवस्नुवाखाथमूवाल्लवाः

खा थस्वावयपविवंटह्नाचि यवंवत्वीकुमूयकुवल्वंःथत्रायो

श्वीवामास्कुवीहलवायोस्रन्नावबाखाथक्ष्वाद्यिमूत्रीथ॥ १८ ॥

रवाहेववीःथमवावयस्वयकटच्लुकूहेःथमकावबमबयको॥

४म॰

१५ ॥ नागर्जुँ यँ थ्यम ॥ वि लि स नी म्ब मक्वा नठन अथालि

ठं क्रुक हुमयो खा ग थ्वि बारं नय का भि बा ढ्यं ध्री मान या मान वं

यस्क मान्या ॥ १७ ॥ नागवकाँ वँ यावलि ॥ यँ कें क दो कां दयिकय

दत्वा । विक ववि कि मणुल मणुल कः ॥ अयु मा वयो नि म यामि स्द

वं व्रयावलानिलउँ मखाउकाफ ॥ १८ ॥ १ खा बा का माया ॥ जु बः

स्याद्धं स्कं यालिपि कंलख काना स्कि दावं दं यपिलाद्र मसोकर्द्दी गाल्वः
नयथं मर्द्दवेः श्रा ॥ ॥ श्री रामस्क लवं दाम वा वयृ मस्क मकुरावं
य्यः ॥ १ ॥ श्री सुनि वावा नाला सम्पस्य ॥ ॥ ० ॥ श्री गुनि वावा मायासमर
काः ॥ ॥ श्री श्री वाशि श्री याकु रीम्पकु ७२० ॥ श्री हेसं वे रस्यवलाय्यकुरी
यक्व द संस्ति यांमिस्थें मिगान क्रयां यालियान स्कुगान यथा कन माग्लः

कावमश्रुहृद्धैश्रीकारोत्रैमकानावद्रैवधियं॥ ४९ ॥ गारखाम

नाकुशकुर्वामक्षधनिवद्धैमावाशुवक्षीश्रखाशनिकवह्नया संग्राम

कृत्मोविवंवक्षुकारि नाकायंगुक्लिकिवकाश्ययेन॥ ५० ॥ गारवा

गमावैवशानिलंविनिवुद्धिकवश्वैयवशगुकाक्रास्युमिकूयवैवायाम

थनाः संगीतिमालाव्रह्मसनयध्य मालाथ्य मार्गाव समवलावावारुंभा